एक नजर में

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने मोबाइल से भरा स्व-गणना फॉर्म, नागरिकों से की सहभागिता की अपील

मंदसौर। मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने जनगणना महाअभियान के अंतर्गत स्वयं अपने मोबाइल फोन के माध्यम से स्व-गणना फॉर्म भरकर एक प्रेरणादायक पहल की। उन्होंने डिजिटल स्व-गणना प्रक्रिया को अपनाते हुए आमजन को इसमें सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि जनगणना देश और राज्य के विकास की आधारशिला है। इसके माध्यम से प्राप्त आंकड़े शासन की विभिन्न योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि स्व-गणना की डिजिटल सुविधा सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक है, जिससे नागरिक घर बैठे ही अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। श्री देवड़ा ने मंदसौर सहित पूरे प्रदेश के नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना महाअभियान के अंतर्गत स्व-गणना प्रक्रिया को समय पर पूर्ण करें तथा अपने परिवार की सही एवं संपूर्ण जानकारी दर्ज करें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से ही यह महाअभियान सफल होगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आमजन में जागरूकता बढ़ाने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार करें तथा जरूरतमंद लोगों को स्व-गणना प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करें।

मिशन परिवार विकास पखवाड़ा के तहत निकली जागरूकता रैली

मंदसौर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोविंद सिंह चौहान द्वारा बताया गया कि मिशन परिवार विकास पखवाड़ा के अंतर्गत जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय परिसर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जिसका समापन जिला प्रशिक्षण केंद्र पर हुआ। रैली का मुख्य उद्देश्य आमजन को परिवार नियोजन के प्रति जागरूक करना और उन्हें उपलब्ध विभिन्न विकल्पों के बारे में शिक्षित करना है। डॉ. चौहान ने बताया कि परिवार को सीमित और स्वस्थ रखने के लिए शासन द्वारा कई साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। रैली के माध्यम से संदेश दिया गया कि महिला एवं पुरुष नसबंदी के स्थाई साधनों के साथ-साथ कई अस्थाई विकल्प भी मौजूद हैं। एक बच्चे से दूसरे बच्चे के बीच कम से कम 3 साल का अंतर रखा जाए, ताकि माता और शिशु दोनों का स्वास्थ्य बेहतर बना रहे। परिवार नियोजन के साधनों की जानकारी और लाभ लेने के लिए नागरिक अपने निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क कर सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ता, एएनएम (ह्रू) और सीएचओ (ष्ट।ह्न) से भी विस्तृत जानकारी एवं परामर्श प्राप्त किया जा सकता है।

चित्र ही नहीं चरित्र की करें पूजा : डॉ. गौतममुनि

मंदसौर। हमें यह मनुष्य की देह (शरीर) बहुत ही पुण्य से मिली है हमें यह मनुष्य भव बार-बार मिलने वाला नहीं है इसलिये हमें इस मनुष्य भव की महत्ता को समझना प?ेगा। जीवन में मर्यादाओं का पालन जरूरी है जिसके जीवन में तप, त्याग व मर्यादा नहीं है उसका जीवन पशु तुल्य है। मनुष्य को अपने जीवन में मर्यादाओं का पालन करना चाहिये जिनके जीवन में नियम, तप, व्रत होते है वे मर्यादा वाले पुरुष कहलाते है जीवन में चित्र की नहीं हमें चरित्र की महत्ता समझना चाहिये और उसी की पूजा करनी चाहिये।

उक्त उद्गार प.पू. जैन संत उपाध्याय डॉ. गौतम मुनिजी म.सा. ने पिपलियामण्डी स्थित श्री वर्धमान जैन दिवाकर स्थानक भवन में आयोजित धर्मसभा (प्रवचन) में कहे। आपने शनिवार को यहा धर्मसभा में कहा कि संत जीवन हो या गृहस्थ जीवन सभी की मर्यादा होती है उसका पालन जरूरी है। मर्यादा की लक्ष्मण रेखा को जो लांघते है समाज उन्हें कभी चरित्रवान नहीं समझता है। आपने राजा भर्तरी व महारानी पिंगला का वृतान्त बताते हुये कहा कि उज्जैन के महाराजा राजा भर्तरी अपनी पत्नी पिंगला से अत्यधिक प्रेम करते थे लेकिन पिंगला का चरित्र ठीक नहीं था वह अन्य पुरुष को चाहती थी एक बार सोमदत्त नामक ब्राह्मण ने राजा भर्तरी को दिव्य फल दिया वह दिव्य फल भर्तरी ने पत्नी के मोह के कारण पिंगला को दे दिया। पिंगला ने वह दिव्य फल दूसरे पुरुष को दे दिया वही दिव्य फल पुनः राजा भर्तरी के पास ही पहुंच गया तब राजा भर्तरी को पत्नी के कमजोर चरित्र का ज्ञान हुआ। राजा भर्तरी को उसी समय वैराग्य हो गया और वे संत बन गये। इसलिये जीवन में चरित्र का विशेष ध्यान रखें। आपने कहा कि जैन शास्त्रों में 18 प्रकार के पाप बताये गये है इन 18 पापों में लोभ सबसे अधिक पापकर्म को ब?ाने वाला पाप है इसलिये जीवन में इससे बचें।

सेवाभावी संत श्री वैभव मुनिजी म. सा. ने कहा कि भगवान ऋषभदेव के 102 पुत्र पुत्री थे राजा भरत ने चक्रवर्ति सम्राट बनने के लिये अपने 98 भाईयों पर अपनी अधिनता स्वीकार करने के लिये दबाव डाला तो सभी 98 भाई अपने पिता ऋषभदेवजी की प्रेरणा से संत हो गये क्योंकि संत का पद राजा महाराजा के पद से भी बड़ा है।

डॉक्टर बनकर आमजन की सेवा मेरा लक्ष्य : यशस्वी

▶ बिना ट्यूशन अथवा कोचिंग के प्राप्त की सफलता

भानपुरा। श्रीमती कमला सकलेचा ज्ञान मंदिर में आज इस वर्ष कक्षा दसवीं में जिले में तीसरे और विद्यालय में 98.4त्न अंकों के साथ प्रथम रहने वाले छात्र यशस्वी धानुक अपने माता-पिता के साथ कोटा से आए। यशस्वी का विद्यालय में पुष्प हार एवं श्रीफल द्वारा स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि आगे मैं डॉक्टर बनकर आम जनों की सेवा करना चाहता हूं।

बिना ट्यूशन एवं कोचिंग के मुझे जो सफलता मिली उसमें मेरे शिक्षकों, विद्यालय तथा माता-पिता की प्रेरणा प्रमुख रही। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को एकाग्रचित होकर अनुशासन के साथ पढ़ाई करना अपनी सफलता का सूत्र बताया। कार्यक्रम को उनके माता-पिता ने भी संबोधित किया। विद्यालय में कक्षा ग्यारहवीं में प्रवेश लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं का भी सम्मान एवं स्वागत किया गया। इस अवसर पर संस्था प्रमुख शरद सकलेचा, सचिव प्रतिभा सकलेचा, नव आगंतुक प्राचार्य श्रीमती डॉक्टर अर्चना सिंह, सभी शिक्षक- शिक्षिका तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। सचिव प्रतिभा सकलेचा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी छात्र-छात्राओं की प्रशंसा की तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय की प्राचार्य ने भी सभी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बिना ट्यूशन अथवा कोचिंग के भी सफलता के शिखर पर पहुंचा जा सकता है। संस्था प्रधान शरद सकलेचा ने भी सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

इनरव्हील क्लब ने विद्यार्थियों के लिए पीपलखूंटा स्कूल में तीन पंखे सौंपे

मंदसौर। इनरव्हील क्लब मंदसौर के तत्वावधान में सामाजिक सेवा की एक सराहनीय पहल की गई। पहाड़िया परिवार द्वारा श्री भव्य प्रदीप पाहा?िया के जन्मदिन के उपलक्ष्य में शासकीय प्राथमिक माध्यमिक विद्यालय, पीपलखूंटा हैप्पी स्कूल में विद्यार्थियों की सुविधा हेतु तीन पंखे भेंट किए गए।

कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष हेमा हिंगड़ ने बताया कि गर्मी के मौसम में बच्चों को पढ़ाई में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसी उद्देश्य से यह सहयोग प्रदान किया गया।

विद्यालय प्रधानाध्यापक रत्नेश पारख, ममता मालवीय, शीला चौधरी, पंकेशदास बैरागी, लोकेश कुमार चौहान, श्यामा मालवीय, कैलाश चाव?ा ने इस सराहनीय कार्य के लिए इनर व्हील क्लब मंदसौर एवं दानदाता कोषाध्यक्ष सुनीता पहा?िया का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर क्लब की पूर्व अध्यक्ष उर्मिला तोमर, इंदु पंचोली, सरोज तोमर, प्रीति छाबड़ा, युगल जैन, अनिमेष पोरवाल एवं सदस्यगण उपस्थित रहे तथा सभी ने शिक्षा और समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। संचालन प्रधान अध्यापक रत्नेश पारिख ने किया। आभार सचिव रचना दोषी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

एक नजर ▶ अघोषित कटौती और लो-वोल्टेज से जनजीवन अस्त-व्यस्त, जिम्मेदारों पर उठे सवाल

मंदसौर में बिजली संकट से लोग परेशान, दिनचर्या प्रभावित

मंदसौर। भीषण गर्मी के बीच जिले में गहराता बिजली संकट अब आमजन के धैर्य की परीक्षा लेने लगा है। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक अघोषित बिजली कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। हालात यह हैं कि दिन-रात कई-कई घंटों तक बिजली गुल रहने से घरों, दुकानों और छोटे कारोबारों पर सीधा असर पड़ रहा है।

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में उपभोक्ताओं ने बताया कि बिना किसी पूर्व सूचना के बार-बार बिजली बंद हो रही है, जिससे पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है। रात के समय बिजली कटने से लोगों की नींद हराम हो रही है, वहीं गर्मी के चलते बच्चे, बुजुर्ग और मरीज सबसे ज्यादा परेशान हैं।

व्यापार और दिनचर्या पर असर-बिजली संकट का असर बाजारों में भी साफ दिखाई दे रहा है। दुकानदारों का कहना है कि बार-बार बिजली जाने से व्यापार प्रभावित हो रहा है, खासकर वे व्यवसाय जो पूरी तरह बिजली पर निर्भर हैं। छोटे उद्योगों और वर्कशॉप संचालकों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और गंभीर-ग्रामीण इलाकों में स्थिति और भी चिंताजनक बताई जा रही है। किसानों का कहना है कि सिंचाई के लिए निर्धारित समय पर भी पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही है, जिससे फसलों पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। कई गांवों में लो-वोल्टेज के कारण मोटर पंप तक नहीं चल पा रहे हैं।

> **जनता का सवाल-कब मिलेगी राहत?**
>
> लगातार बिगड़ती व्यवस्था को लेकर लोगों में आक्रोश भी पनपने लगा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि हर साल गर्मी के मौसम में यही स्थिति बनती है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम नजर नहीं आते। अब देखना यह होगा कि प्रशासनिक सक्रियता से लोगों को कितनी जल्द राहत मिल पाती है। गर्मी के इस दौर में बिजली सिर्फ सुविधा नहीं, बल्कि जरूरत बन चुकी है। ऐसे में अघोषित कटौती और अव्यवस्था पर तुरंत और प्रभावी नियंत्रण जरूरी है। वरना हालात और बिगड़ सकते हैं, जिसका खामियाजा सीधे आम जनता को भुगतना पड़ेगा।

प्रशासन हरकत में, सुधार के निर्देश

बढ़ती शिकायतों को देखते हुए जिला प्रशासन ने बिजली विभाग के अधिकारियों को स्थिति सुधारने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि ओवरलोड और तकनीकी खामियों के कारण समस्या उत्पन्न हो रही है, जिसे दूर करने के प्रयास जारी हैं। मेंटेनेंस कार्य और वैकल्पिक व्यवस्थाओं के जरिए आपूर्ति सुचारू करने का दावा किया जा रहा है।

नीमच

एक नजर में

बघाना में निकाला वरघोड़ा, चांदी के रथ में विराजित होकर भ्रमण पर निकले भगवान महावीर

नीमच। नगर के बघाना में श्री शंखेश्वर पार्श्व पद्मावती धाम मंदिर के तीन दिनों के कार्यक्रम के तहत शनिवार को शहर में वरघोड़ा निकाला गया। यह आयोजन 24 अप्रैल से शुरू हुआ था और इसमें शामिल होने के लिए समाज के लोग बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरे। शनिवार को रेलवे स्टेशन के जैन भवन से यह जुलूस शुरू हुआ। इसमें हाथी, घोड़े और ऊंट शामिल किए गए थे। जुलूस में भगवान महावीर स्वामी की मूर्ति को सोने-चांदी से मढ़े हुए एक खास रथ में बैठाया गया था। बैंड-बाजे के साथ लोग जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। जैन संतों की मौजूदगी में निकले इस कार्यक्रम में महिलाएं केसरिया कपड़े पहनकर सिर पर मंगल कलश लिए कतार में चल रही थीं। जुलूस में कई श्रद्धालु बग्घियों पर भी सवार थे। यह पूरा काफिला शहर के मुख्य रास्तों से होता हुआ शक्ति नगर में बने नए मंदिर तक पहुंचा। जुलूस के मंदिर पहुंचने के बाद दोपहर में वहां प्राण प्रतिष्ठा से जुड़ी विशेष पूजा और अनुष्ठान किए गए। शाम के समय भजन संध्या का आयोजन रखा गया, जिसमें समाज के लोग इकट्ठा हुए। यह तीन दिवसीय महोत्सव रविवार को संपन्न होगा।

कलेक्टर चंद्रा ने की स्वच्छता की पहल पर नीमच शहर में नपा ने किया नाले की सफाई का कार्य शुरू

नीमच। नगरपालिका नीमच द्वारा नीमच शहर में बह रहे नाले की साफ-सफाई व चौडीकरण कर नाले से गंदगी को निकालकर अन्यत्र निस्तारण का कार्य कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में शनिवार से प्रारंभ कर दिया गया है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शनिवार को जयसिहपुरा बडी पुलिया के नाले से प्रारंभ नाला सफाई के कार्य का निरीक्षण किया और न.पा.सीएमओ को आवश्यक निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने जयसिहपुरा रोड पुलिया के नाले पर पोक्कलेन मशीन के माध्यम से किए जा रहे नाला सफाई व गंदगी निकालने के कार्य का अवलोकन किया और निर्देश दिए कि बस स्टेण्ड पुलिया के पास नाले की साफ-सफाई सहित गुप्ता नर्सिंग होग के पास नाले की सफाई तथा संजीवनी पुलिया के पास भी नाले की साफ-सफाई कर, गंदगी निकालने व नाले के दोनो ओर स्थित अतिक्रमण चिंहित कर साफ सफाई का कार्य प्रारंभ करें व अतिक्रमण हटाकर नाले का चौडीकरण करें, जिससे, कि बरसात के पानी के बहाव में कोई अवरूद्ध ना हो। इस मौके पर एसडीएम श्री संजीव साहू, सीएमओ श्री दुर्गा बामनिया व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

श्रीसांवलियाजी मंदिर में मोरपंख और 56 भोग चढ़ाने पर रोक

▶ परिसर में फोटो-वीडियो नहीं ले सकते, भीड़ और अव्यवस्था बनी वजह

नीमच। मालवा - मेवाड़ के सांवलियाजी मंदिर में मोरपंख और 56 भोग की परंपर को बंद कर दिया गया है। मंदिर बढ़ती भक्तों की संख्या के कारण प्रशासन ने ये निर्णय लिया है। नए नियम के अनुसार अब भक्त सिर्फ भंडार में नकद राशि या सोना-चांदी जैसी भेंट ही दे सकेंगे। दर्शन के लिए उन्हें खाली हाथ ही मंदिर में जाना होगा।

भीड़ और अव्यवस्था बनी वजह-मंदिर मंडल के अध्यक्ष हजारीदास वैष्णव के अनुसार पिछले कुछ समय से श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। इसके साथ ही भोग चढ़ाने की संख्या भी काफी ज्यादा हो गई थी। कई लोग बड़े समूह में आते थे और भोग चढ़ाने के दौरान गर्भगृह के सामने काफी देर तक रुक जाते थे, जिससे लंबी कतारें लग जाती थीं और बाकी श्रद्धालुओं को परेशानी होती थी।

खासकर 56 भोग लगाने में करीब एक घंटा लग जाता था और एक दिन में कई बार ऐसा होने से व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही थी। इसके अलावा कुछ लोग गाजे-बाजे के साथ आकर नाचते-गाते हुए मंदिर परिसर में घूमते थे, जिससे माहौल भीड़भाड़ वाला हो जाता था।

फोटोग्राफी और विवाद भी बढ़े-उन्होंने यह भी बताया कि भोग चढ़ाने के बाद कई लोग मंदिर के गार्डन क्षेत्र में फोटो और वीडियो बनाने लगते थे, जबकि वहां ऐसा करना पहले से ही मना है। इस वजह से अन्य श्रद्धालुओं को असुविधा होती थी और कई बार इसको लेकर बहस और विवाद भी सामने आते थे। मंदिर में शांति और अनुशासन बनाए रखने के लिए इन गतिविधियों पर रोक लगाना जरूरी समझा गया। प्रशासन का मानना है कि इन नियमों से अब दर्शन की प्रक्रिया तेज होगी और ज्यादा लोग बिना परेशानी के भगवान के दर्शन कर सकेंगे।

नकली सामग्री भी बनी चिंता-एक और बड़ी वजह बाजार में बिक रही नकली सामग्री रही। मंदिर प्रशासन के अनुसार हाल के समय में नकली मावे से बनी मिठाइयां, नकली मोरपंख और कृत्रिम फूल बड़ी मात्रा में उपयोग होने लगे थे, जो धार्मिक भावना के साथ-साथ गुणवत्ता के लिहाज से भी ठीक नहीं थे। इसी कारण इन सभी चीजों पर पूरी तरह रोक लगाने का निर्णय लिया गया है। प्रशासन का कहना है कि देश के बड़े मंदिरों में भी इस तरह की भोग और सामग्री चढ़ाने की व्यवस्था नहीं है, इसलिए यहां भी इसे बंद करना उचित कदम है।

श्रद्धालुओं की मिली-जुली प्रतिक्रिया और नई व्यवस्था-इस फैसले पर लोगों की प्रतिक्रिया अलग-अलग सामने आ रही है। कुछ श्रद्धालु इसे सही मानते हैं और कहते हैं कि इससे दर्शन आसान होंगे, वहीं कुछ लोग चाहते हैं कि भोग चढ़ाने के लिए कोई अलग व्यवस्था बनाई जाए।

मायकेवाले बोले- बेटी होने से नाखुश होने पर विवाहिता को दे दिया जहर

नीमच। जिले के सरवानिया चौकी क्षेत्र के ग्राम देपालपुरा में 22 वर्षीय विवाहिता को कथित तौर पर जहर देने का मामला सामने आया है। पीड़िता किरण पति दीपक बंजारा को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, किरण की शादी लगभग तीन साल पहले दीपक बंजारा से हुई थी। उनकी छह माह की एक बच्ची भी है। महिला के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित करने और बेटी के जन्म को लेकर विवाद करने का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि घर में आए दिन झगड़े होते रहते थे।

परिजनों के आरोप के मुताबिक, शनिवार को सास कंकु बाई ने किरण पर जबरन खाना खाने का दबाव बनाया। आरोप है कि इस खाने में जहर मिलाया गया था। खाना खाने के बाद किरण की तबीयत अचानक बिगड़ गई। गंभीर हालत में उसे तत्काल मनासा अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसके शरीर में जहर होने की पुष्टि की। बाद में उसे नीमच जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां वह आईसीयू में भर्ती है।

इस मामले में सास कंकु बाई, ससुर खीमा बंजारा, जेठानी बतूल बंजारा और पति दीपक बंजारा पर प्रताड़ना और जहर देने का आरोप लगाया गया है। परिजन ससुराल पक्ष के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मनासा पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

एक नजर ▶ 'तपोभूमि' में भाजपा का आक्रोश सम्मेलन

विपक्ष पर सीधा हमला, भाजपा ने कांग्रेस-इंडिया गठबंधन पर साधा निशाना

नीमच। महिलाओं के अधिकारों और राजनीतिक भागीदारी के मुद्दे पर अब सियासी तापमान बढ़ता नजर आ रहा है। शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय तपोभूमि में आयोजित महिला जन आक्रोश सम्मेलन इसी बढ़ते राजनीतिक टकराव का संकेत बन गया।

कार्यक्रम में भाजपा ने कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन इंडिया पर सीधा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्ष ने महिलाओं के हक में खड़े होने के बजाय राजनीति की है। बड़ी संख्या में जुटीं महिला कार्यकर्ताओं ने इसे नारी सम्मान बनाम विपक्ष की राजनीति का मुद्दा बताया। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अवंतिका जाट ने मंच से कहा कि देश की आधी आबादी अब सिर्फ दर्शक नहीं, बल्कि सत्ता की निर्णायक ताकत है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि महिलाओं के सशक्तिकरण के ऐतिहासिक अवसर को जानबूझकर रोका गया, जो सीधा-सीधा नारी शक्ति का अपमान है।

नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा ने भी विपक्षी इंडिया गठबंधन को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि तकनीकी बहानों के जरिए महिलाओं को भ्रमित करने की कोशिश की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह विधेयक महिलाओं को राजनीतिक रूप से मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम था, जिसे विपक्ष ने सियासी स्वार्थ में उलझा दिया।

महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष मीना जायसवाल ने कहा कि यदि यह अधिनियम पारित होता तो महिलाओं को न केवल आरक्षण मिलता, बल्कि उनकी भागीदारी नई ऊंचाइयों तक पहुंचती। उन्होंने इसे महिलाओं के अधिकारों के विस्तार का मजबूत आधार बताया। सम्मेलन के दौरान माहौल पूरी तरह आक्रोश और एकजुटता से भरा नजर आया। महिला कार्यकर्ताओं ने खुलकर विपक्ष के खिलाफ आवाज उठाई और महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन मंजू शर्मा ने किया, जबकि अंत में नारी सम्मान को लेकर राजनीतिक लड़ाई तेज करने का संदेश दिया गया।